दलित संघ प्रगति रिपोर्ट

2013

दलित संघ सामाजिक संस्था पिछले 26 वर्षों से प्रदेश में दलित उत्थान हेतु कार्य कर रही हैं।

एक्सन एड के सहयोग से एक लम्बी अवधि की योजना पर संस्था ने कार्य प्रारम्भ किया । जिसका नाम दलित अधिकार अभियान दिया गया ।

यह अभियान भी जब सामने आया जब संस्था सिर पर मैंला उठाने की प्रथा के खिलाफ काम कर रही थी । तथा अपने संक्षिप्त समय में मात्र दो वर्षों में 315 परिवारों को पूरे जिलों से इस गन्दे कार्य से मुक्त करवा दिया ।

जिस पर राष्ट्रीय सम्मान डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्था को मिला, एक प्रशस्ति पत्र, तथा पचास हजार रूपये की राशि दी गई ।

उसी समय देखने में आया कि दलित एवं दलित जातियों में काफी छुआछूत एवं ऊॅच–नीच का भेद भाव हैं ।

परिणाम स्वरूप सघन रूप से 25 ग्रामों को तहसील सोहागपुर ,जिला–होशंगाबाद में लिया गया ।

जो निम्न हैं ।

धपाड़ा	चेचली	काजलखेड़ी	किशनपुर	धपाड़ाकलॉ
रानीपिपरिया	भौंखेड़ी	महुआखेड़ा	सेमरी	जमुनियॉ
रेवामुहारी	टजबगांव	रैपुरा	मरकाढाना	खपरिया
माछा	ठीकरी	भटगांव	किवलारी	
शोभापुर	ढिकवाड़ा	गुन्दरई	सिंगवाड़ा	

यहॉ संस्था द्वारा आत्मसम्मान, जीविका उपार्जन, महिला अधिकार , शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कार्य करने की आवश्यकता अनुभव की गई । तथा सघन रूप से 25 ग्रामों को तथा विरल रूप से 25 ग्रामों को लिया गया ।

आत्मसम्मान जैसे मुद्दे पर गॉवों में निम्न तरह के भेदभाव होते थे ।

1. मरे जानवर उठाना ।
2. मैला सिर पर ढोना ।
3. टूटे कपों में चाय पीना ।
4. किचन शेड में प्रवेश वर्जित ।
5. नाई द्वारा बाल ना काटना ।
6. धोबी द्वारा कपड़े ना धोना ।

7. होटल में प्रवेश ना होना ।
8. मंदिर में प्रवेश ना होना ।
9. हेंण्ड पम्प पर पहुंच ना होना ।
10. चौपाल पर ना पहुॅच ना होना ।
11. स्कूल में भेद–भाव ।
12. ग्राम पंचायत में भेद–भाव ।
13. विवाह समारोह में भेदभाव
14. अलग पंक्ति में भोजन करवाना
15. परोसा लेना
16. घोड़े पर ना बैठना देना
17. नदी–तालाव पर पहुच ना होना।
18. शमशान घाट तक पहुॅच ना होना।
19. जति सूचक नाम से पुकारना।
20. झूठन उठाना।
21. ऑगनवाड़ी में मिलने वाली साम्रग्री में भेदभाव।
22. सामाजिक कार्यो जैसे भंडारा, मूर्ती स्थापना में भेदभाव।
23. चमड़ा छीलना।

इस तरह के मुद्वे अभियान में कार्य करते समय सन् 2006 में थे। जिस पर संस्था ने सक्रियता से एड़वोकेसी,कार्यशालाऐं मीड़िया एड़वोकेसी की, शिकायतें की, केड़र ट्रेनिंग की एक्सपोजर हेतु बाहर ले गऐ।

इन सब का परिणाम धीरे धीरे आना प्रारम्भ– तथा सन् 2006 एवं 2013 तक में जो परिवर्तन आया वह चौकाने वाला था।

जो निम्न चार्ट से स्पष्ट है।

आत्मसम्मान

क्रमाक	मुद्वा	परिवार	2006		2009		2013	
			कुल	बचे	बदलाव	बचे	बदलाव	बचे
01	मरे जानवर उठाना	1080	1080	1080	947	133	96	37
02	मैला उठाना	08	03	03	03	03	00	00
03	टूटे कपो में चाय पीना	1256	1256	1256	876	380	235	145
04	किचन शेड़ में प्रवेश	1256	1256	1256	300	956	421	535
05	नाई द्वारा बाल काटना	1256	1256	1256	211	1045	620	425

06	धोबी द्वारा कपड़े धोना	1256	1256	1256	51	1205	653	552
07	होटल मे प्रवेश	1256	1256	1256	1131	125	17	108
08	मंदिर मे प्रवेश	1256	1256	1256	343	913	327	586
09	हेड़पम्प पर पहुच	1256	1256	1256	976	280	84	196
10	चौपाल पर बैठना	1256	1256	1256	541	715	297	418
11	स्कूल में भेदभाव	1256	1256	1256	796	460	261	199
12	ग्राम पंचायत में प्रवेश	1256	1256	1256	941	315	95	220
13	विवाह समारोह	1256	1256	1256	1109	147	25	122
14	अलग पंक्ति में भोजन करना	1256	1256	1256	1131 का विरोध	125	13	112
15	परोसा लेना	1256	1256	1256	1111	145	32	113
16	घोड़े पर बैठना	1256	1256	1256	1009	247	140	107
17	नदी /तालाव पर पहुच	1256	1256	1256	780	476	329	147
18	शमशान घाट तक पहुच	1256	1256	1256	1027	229	86	143
19	जति सूचक नाम से पुकारना	1256	1256	1256	294	962	631	331
20	झूठन उठाना	1256	1256	1256	435	821	367	454
21	ऑगनवाड़ी में मिलने वाली साम्राग्री में भेदभाव	1256	1256	1256	310	946	693	253
22	समाजिक कार्यो में भेदभाव जैसे मूर्ति स्थापना, भंन्ड़ारा,	1256	1256	1256	352	904	297	607
23	चमड़ा छीलना	1080	1080	1080	753	327	270	57

अजीविका

इसके बाद दलित परिवारों का महत्वपूर्ण मुद्दा था अजीविका – एवं शासकीय योाजनाऐं । जिसका सीधा प्रभाव उनके आर्थिक स्त्रोत पर पड़ता था। जो प्रारम्भ में निम्न थी ।

1. आवासीय पट्टे ।
2. भूमिहीन ।

3. भूमि हैं पर पट्टे नहीं हैं ।
4. पट्टा हैं पर कब्जा नहीं हैं ।
5. बन्धुआ मजदूर ।
6. भूस्वामी ।
7. मनरेगा ।
8. लोन
9. बी.पी.एल. ।
10. कूप निर्माण ।
11. अस्थाई पट्टे ।
12. जॉब कार्ड ।
13. इंदिरा आवास ।
14. परिवार सहायमा ।
15. प्रसुति सहायता ।
16. बीमा योजना ।
17. मुख्यमंत्री आवास योजना ।
18. सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना ।
19. विधवा पेंशन ।
20. वृद्धावस्था पेंशन ।
21. एस.एच.जी. ग्रुप ।

यह वह बिंदु थे जिस पर काम करने की अत्यधिक आवश्यकता थी । इस हेतु दलित समुदाय के साथ बैठकें की, उनके लिए भू–अधिकार, पर प्रशिक्षण दिया । आवेदन शासन को दिये । मीडिया एडवोकेसी की , तथा केडर तैयार किए जो अपनी बातें दवंगता के साथ मंच पर कह सकें । शासकीय अधिकारियों से बात कर सकें ।

तथा राजनैतिक लोगों को अपनी पीड़ा को बता सकें उनमें एकता लाने हेतु संगठन का निर्माण किया तथा उनके संघर्ष के लिए चंदा एकत्र किया । महापुरूषों के संघर्ष से अवगत कराया ।

जिसके परिणाम निम्न निकलकर आये ।

सन् 2006 से लगातार काम करने के परिणाम स्वरूप सन् 2013 तक निम्न परिवर्तन आए ।

नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट हैं ।

– आजीविका हेतु कार्यों की प्रगति तालिका ।

आजीविका

क्रमांक	मुद्दा	परिवार	2006		2009		2013	
			कुल	बचे	बदलाव	बचे	बदलाव	बचे
01	आवासीय पट्टे	1195	1195	1195	95	1100	496	604
02	भूमिहीन	1322	1322	1322	18	1304	23	1281
03	भूस्वामी	2010	688	1322	18	1304	23	1281
04	भूमि है पर पट्टे नहीं	45	45	45	45	45	45	45
05	पट्टा है पर कब्जा नहीं	05	05	05	02	03	02	01
06	बन्धुआ मजदूर	476	476	476	251	225	118	107
07	मनरेगा	2010	2010	2010	136	1874	1437	437
08	लोन	2010	2010	2010	15	1998	37	1961
09	बी,पी,एल	2010	890	890	349	541	184	357
10	कूप निर्माण	2010	688	688	13	675	18	657
11	अस्थाई पट्टे	45	45	20	25	25	25	25
12	जॉव कार्ड़	2010			2010 कुल परिवार	315 बाकी	278	37
13	इंदिरा आवास	2010	1256	1256	389	867	413	454
14	परिवार सहायता	2010	1256	1256	05	2005	13	1992
15	प्रस्तुति सहायता	2010	2010	2010	211	1799	329	1400
16	बीमा योजना	2010	2010	2010	17	1993	09	1984
17	मुख्यमंत्री आवास योजना	2010	2010	2010	2010	2010	472	1593
18	समाजिक सुरक्षा पेंशन	2010	264	264	115	149	89	60
19	विघवा पेंशन	2010	75	75	34	41	37	04
20	वृद्वावस्था पेंशन	2010	497	497	218	279	186	93
21	एस,एस,जी,ग्रुप	25 गांव	25 गांव	03	05	17	05	12

महिला अधिकार

सब से महत्वपूर्ण मुद्दा – महिला अधिकार का था ।

दलित संघ संस्था ने पाया कि दलित मुद्दों पर कार्य करते समय, महिली हाशिये पर हैं । फिर वह दलित महिला तो प्रताड़ना और छुआछूत का शिकार भी है ।

जो महिलाओं की समस्याऐं निकलकर आई वह निम्न हैं ।–

1. घरेलू हिंसा । 2. घर से बाहर ना निकलना । 3. पर्दाप्रथा का होना । 4. कम मजदूरी का मिलना । 5. निर्णय में भागीदारी ना होना । 6. महिला का अंधाविश्वासी होना । 7. पारम्परिक व्यवसाय में लिप्त होना । 8. अशिक्षा ।

इस हेतु संस्था में महिलाओं के साथ बैठकों का, कार्यशालाओं का आयोजन किया , महिला मुद्दे क्या हैं ? लिंग–भेद, पितृसत्ता क्या है । जैसे मुद्दों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया ।

लगातार प्रयासों के बाद दलित महिलाऐं घर से बाहर निकलने लगी एवं एक्सपोजर विजिट में बाहर गई ।

ग्राम पंचायत में जाने लगी एवं सवाल उठाने लगी । परिणाम स्वरूप संस्था के कार्य में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने लगी एवं 60 प्रतिशत महिलाऐं एवं 40 प्रतिशत पुरूषों की उपस्थिति होने लगी । दलित संघ सामाजिक संस्था द्वारा जो कार्य किए गए उसके परिणाम स्वरूप सन् 2006 के आंकड़े एवं सन् 2013 के आंकड़ों के चलते परिवर्तन स्पष्ट दिखाई देने लगा हैं ।

महिलाओं ने जनचेतना रैलीयॉ निकाली, पदयात्राऐं की एवं महिलाओं को जागरूक करने के लिए वह स्वयम् भी घर की चार दीवारी से बाहर आई ।

निम्न तालिका से स्पष्ट होता है कि सन् 2006 ये 2013 तक कितना परिवर्तन आया ।

– महिला मुद्दों पर कार्य करने पर परिवर्तन की प्रगति तालिका ––

महिला अधिकार

01	घरेलू हिंसा	2151	2151	2151	947 महिला के द्वारा धरेलु हिंसा का विरोध	1204	321 महिला के द्वारा धरेलु हिंसा का विरोध	883
02	घर से बाहर निकलना	2151	2151	2151	815	1336	319	1017
03	पर्दा प्रथा का होना	2151	2151	2151	815पर्दा प्रथा का विरोध करने	1336	319पर्दा प्रथा का विरोध करने	1017

					लगी		लगी	
04	कम मजदूरी का मिलना	2151	2151	2151	1197 महिलाओ ने कम मजदूरी मिलने का विरोध किया	954	874 महिलाओ ने कम मजदूरी मिलने का विरोध किया	80
05	निर्णय मे भागीदारी	2151	2151	2151	815 महिला घर में शादी,जेवरात खरीदने एवं बेचने में,खाना खाने में,सम्पति खरीदने व बेचने में भागीदारी करने लगी	1336	319 महिला घर में शादी,जेवरात खरीदने एवं बेचने में,खाना खाने में,सम्पति खरीदने व बेचने में भागीदारी करने लगी	1017
06	महिला /अंधविश्वास	2151	2151	2151	150 महिलाऐ पूजा पाठ,उपवास,रीित रिवाज का विरोध करने लगी	2001	336 महिलाऐ पूजा पाठ,उपवास,रीित रिवाज का विरोध करने लगी	1665
07	पारम्परिक व्यवसाय में लिप्त होना	2151	942	942	258 चमड़ा छीलना,	684	378 चमड़ा छीलना,	306

					मरे जानवर फैकना,वंस के वर्तन,सुअर पालना, आदि काम का त्याग किया		मरे जानवर फैकना,वंस के वर्तन,सुअर पालना, आदि काम का त्याग किया	

शिक्षा का अधिकार

शिक्षा का अधिकार एवं बच्चें ––' समाज की महत्वपूर्ण इकाई बच्चे, होते हैं । जब संस्थाने इस अभियान में कार्य करना प्रारम्भ किया तो निम्न बच्चों एवं शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण समस्याऐं दिखाई दी ।

1. आंगनवाड़ी में ना जाना , तथा वहॉ भरे भाव
2. शाला छोड़े छात्र ।
3. प्राथमिक शाला में शाला छोड़े छात्र ।
4. माध्यमिक शाला में शाला छोड़ें छात्र ।
5. हाई स्कूल से शाला छोड़ें छात्र । हायर सेकण्डरी से शाला छोड़ें छात्र ।

शासकीय योजनाऐं एवं सुविधाऐं जो कि शाला, आंगनवाड़ी में प्राप्त हैं, उसकी स्थिति को जाना–– जिसमें 1. क्या आंगनवाड़ी, 2. गांव में प्राथमिक शाला हैं । 3. क्या माध्यमिक शाला है , 4. क्या हाई स्कूल है ं। 5. शौचालय उपलब्ध हैं 6. खेल का मैंदान हैं 7.शाला भवन है , 8. किचन शेड हैं , 9. रैप है । 10. हैण्डपम्प है ।

जैसी बुनियादी सुविधाओं पर अधिक फोकस किया गया था । तथा इस हेतु समुदाय में छात्रों में जागरूकता लाना आवश्यक था । इस हेतु बच्चों के साथ बैइक की , उनका बाल भीम समूह का गठन किया , उन्हें अच्छी विचार धारा की पुस्तके उपलब्ध कराई , एक्सपोजन करवाया, उनके अधिकारों को लेकर कार्यशालाओं का आयोजन किया, समस्याओं को जानने हेतु समझाईस दी, बाल हिंसा की, यौन हिंसा की शारीरिक परिवर्तनों जैसे मुद्दों पर उनके साथ बैठकें की, तथा महत्वपूर्ण उन्हें इन सब समस्यों पर लिखने हेतु प्रेरित किया ।

एक बच्चों का समाचार मासिक भी प्रारम्भ किया, जिसमें बच्चें अपनी समस्याओं को, ग्राम की, शाला की , परिवार की समस्याओं को लिखने लगे ।

परिणाम स्वरूप बच्चों का समूह बना, वह अपनी बातें रखने लगे , तथा समाचार पत्रों में बातों को लिखने लगे, बाल अधिकारोंको जानने लगे , तथा मौलिक सुविधाऐं उनका अधिकार हैं इसकी मांग भी करने लगे ।

बच्चों पर किए गए कार्यों के परिणाम स्वरूप संस्था को सन् 2010 में महामहिम राष्ट्रपति सुश्री प्रतिभा पाटील ने सम्मानित किया, तथा प्रशस्ति पत्र के साथ तीन लाख रूपयों की राशि भी प्रदान की ।

बच्चे पर किए गए कार्यों के परिणाम स्वरूप आए परिवर्तनों की तालिका निम्न हैं ।

सन् 2006 से सन् 2013 तक यह परिवर्तन निम्न तालिका प्रदर्शित करती है।

1. बच्चे पर किए गए कार्यों की प्रगति तालिका–––
2. बाल पत्रकार –पूरे जिलों में 340 है । जिकमें छात्र 160 है तथा ग्रामीण छात्राऐं 180 निम्न हैं ।
3. पूरे मध्यप्रदेश में अपने तरिके का यह प्रथम एवं सतत् चल रहा बिना किसी ऐजेन्सी के सहयोग से बच्चों का पेपर निकल रहा है । जिसे प्रकाशित होते हुए 6 वर्षों से अधिक समय हो चुका है ।

क्रमाक	मुद्दा	कुल बच्चे		2006		2009		2013	
		बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका
01	ऑगनवाड़ी	1047	1091	87	125	137	185	147	201
	ड्राप आउट			80	103	30	43	20	27
02	प्राथमिक शाला			254	266	265	286	292	320
	ड्राप आउट			38	54	27	34	00	00
03	माध्यमिक शाला			176	134	211	168	254	179
	ड्राप आउट			78	132	43	98	00	87
04	हाईस्कूल			158	83	163	100	102	117
	ड्राप आउट			18	51	13	34	74	17
05	हायर सेकेन्डरी			65	29	95	46	90	25
	ड्राप आउट			93	54	63	37	68	58

4. स्कूल में मिलने वाली सुविघाऐं

क्रमाक	मुद्दा	गांव	2006	2009	2013
01	ऑगनवाड़ी	25	20	22	25

02	प्राथमिक शाला	25	22	25	25
03	माघ्यमिक शाला	25	12	12	16
04	हाईस्कूल	25	03	05	08
05	शौचालय	25	08	15	25
06	खेल का मैदान	25	08	13	18
07	भवन	25	12	17	23
08	किचिन शेड़	25	00	12	22
09	रैप	25	04	12	22
10	हेड़पम्प	25	08	15	25